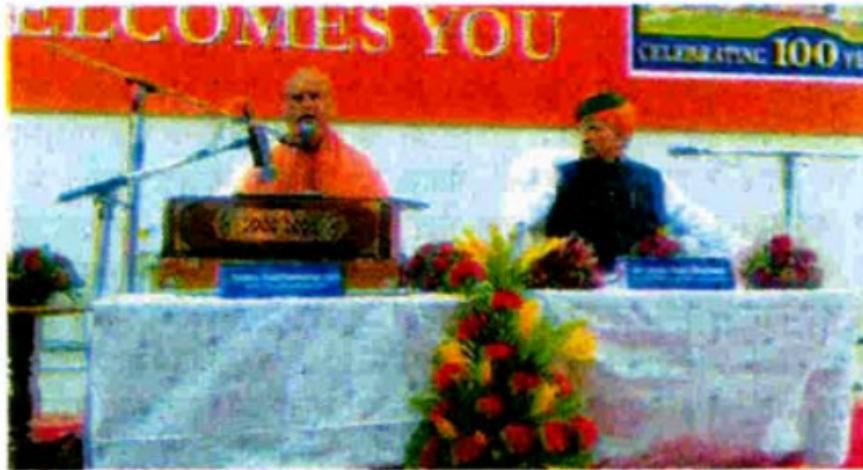


‘क्रिया योग से जी सकते हैं तनाव मुक्त जीवन’

स्वामी सुबोधानंद
गिरी के प्रवचन

डेली न्यूज, जयपुर। आत्म विकास और तनाव मुक्ति जीवन के लिए क्रिया योग जरूरी है। क्रिया योग गणित की तहर काम करता है और यह कभी असफल नहीं हो सकता है। यह आयुयान की तरह हवाई रास्ता है, अपने जीवन की लक्ष्य की प्राप्ति का। यह बहुत ही प्राकृतिक है, जो हमें आंतरिक मार्गदर्शन कराता है। यह कहना है स्वामी सुबोधानंद गिरी का, वे गुरुवार को योगोदा सत्संग सोसायटी की ओर से जेएलएन मार्ग स्थित फ़िल्म भवन में



व्याख्यान देते स्वामी सुबोधानंद गिरी, साथ में हैं केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल।

आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे।

स्वामी ने कहा कि क्रिया योग परमात्मा से हमारे संपर्क के माध्यम से और आंतरिक शांति, समझदारी, प्रेम और आनंद पूर्ण जीवन जीने का रास्ता बताता है। उन्होंने परमहंस

योगानंद के धर्म विज्ञान व्याख्यान के बारे में बताते हुए कहा कि हम सब क्या खोजते हैं, यह सिक्के के दो पहलुओं की तरह है। एक तो हर तरह के दुखों से मुक्ति और दूसरा परम आनंद की प्राप्ति। योग विज्ञान

हमें दुखों की मुक्ति और परम आनंद प्राप्ति का तरीका बताता है। यह योग विज्ञान भगवान् कृष्ण ने अपने शिष्य अर्जुन को और जीसस क्राइस्ट ने अपने शिष्यों को दिया। इसक साधना अन्य धर्मों के संतों ने की। स्वामी ने बताया कि वर्ष 1861 में यह विज्ञान अंधकार युग में लुप्तप्राय हो गया था, जिसे महावतार बाबाजी ने लाहिड़ी महाशय के माध्यम से सच्चे भक्तों को उपलब्ध कराया। इसका साधारण नाम क्रिया योग रखा गया। इस क्रिया योग के अभ्यास से मनुष्य को संतुष्टि मिल सकती है। इस मौके पर मुख्य अतिथि केन्द्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल थे। कार्यक्रम में कई श्रद्धालु मौजूद थे।